University in News on 27 November 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

सदन में बढ़ रहे पीएचडी, डॉक्टर व प्रबंधन डिग्रीधारक विधायक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से एपी सेन सभागार में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि राजनीति में अच्छे, सच्चे और युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि विधानसभा में अच्छी संख्या में डॉक्टर, प्रबंधन और पीएचडी की उपाधिधारक विधायक चुनकर आ रहे हैं।

उन्होंने संविधान दिवस पर मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए राजनीतिक व्यवस्था और उसके पदाधिकारियों के प्रति अधिक सकारात्मक और आशावादी रवैया अपनाने का आह्वान किया। इस मौके पर उन्होंने कुलपति प्रो. आलोक राय, प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता, प्रो. वीके शर्मा, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव व सभागार में मौजूद सभी लोगों को संविधान के अनुपालन की शपथ दिलाई।

लखनऊ विवि में संविधान दिवस के आयोजन पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दिलाई शपथ

लविवि के एपीसेन सभागार में संविधान दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, कुलपति आलोक कुमार राय और प्रो. मानुका शर्मा। - अमर उजाला

वहीं डीएवी डिग्री कॉलेज में विधि विभाग ने आयोजित व्याख्यान में जेएनपीजी कॉलेज के प्रो. महेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को संविधान के महत्व, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों और चुनौतियों के बारे में बताया। प्राचार्य प्रो. राजीव त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। जयनारायण मिश्र महाविद्यालय में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि लविवि के प्रो. राकेश मिश्र ने संविधान के वर्तमान संदर्भों पर बात की। प्राचार्य प्रो. विनोद चंद्रा व विद्यार्थी मौजूद रहे।

प्रो. आलोक राय बने एनसीईआरटी के सदस्य

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की महासभा का सदस्य बनाया गया है। यह सदस्यता तीन वर्ष के लिए प्रभावी होगी। परिषद के अध्यक्ष उच्च शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अनुमोदन के बाद उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है।

प्रो. आलोक राय
कुलपति, लविवि

साथ ही प्रो. राय को संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. हरेकृष्णा महताब की 125वीं जयंती आयोजन को लेकर गठित समिति में भी सदस्य बनाया गया है। इसके अध्यक्ष गृहमंत्री अमित शाह होंगे। सदस्य के तौर पर कुलपति, समिति में कार्यक्रम की योजना बनाने, निगरानी करने और क्रियान्वयन के संबंध में रूपरेखा

HINDUSTAN PAGE 7

राजनीति का चेहरा बदल रहा: महाना

कार्यक्रम

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से 75वां संविधान दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि उप्र. विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना रहे। उन्होंने बताया कि किस तरह से अधिक से अधिक सुशिक्षित व्यक्ति राजनीति के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। कहा कि वर्तमान विधानसभा में विधायकों के रूप में पीएचडी, डॉक्टर और प्रबंधन डिग्री धारकों जैसे पेशेवरों की संख्या बढ़ी है।

सतीश महाना ने कहा कि राजनीति का चेहरा तेजी से बदल रहा है। मतदाता समझदार हो रहे हैं। अब विकास राजनीति के चर्चा का विषय बन गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विवि की उपलब्धियां गिनाईं। कहा कि इस विश्वविद्यालय की प्रभावशाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग इसके बढ़ते कद को दर्शाती है। इससे पहले विधान सभा अध्यक्ष और कुलपति ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा व संविधान स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रति कलपति प्रो. मनुका खन्ना, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

एलयू में मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व कुलपति प्रो. आलोक राय।

i-NEXT PAGE 4

एलयू वीसी प्रो. आलोक राय सदस्य नामित

LUCKNOW (26 Nov) : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को संस्कृति मंत्रालय की ओर से गठित एक प्रतिष्ठित समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है. समिति की अध्यक्षता गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे. यह उच्च-स्तरीय समिति डा. हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में गठित की गई है. डा. हरेकृष्ण महताब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तित्व और ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे हैं. समिति की जिम्मेदारियों में इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए कार्यक्रमों की योजना बनाना, उनकी निगरानी करना और उनके सफल क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शन व निरीक्षण प्रदान करना शामिल है. इस उपलब्धि के साथ प्रोफेसर राय को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की महासभा के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया है. यह कार्यकाल पांच नवंबर से शुरू होकर तीन वर्षों तक चलेगा.

PIONEER PAGE 3

लोकतंत्र की मजबूती के लिए संविधान का सम्मान आवश्यकः सतीश महाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने संविधान को मानव जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि यह हमारे जीवन को नियमबद्ध बनाता है और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह समाज को समरसता, समानता और विकास की ओर ले जाने वाला पवित्र ग्रंथ है। महाना मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग की तरफ से संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इससे पहले महाना तथा कुलपति द्वारा डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा तथा संविधान स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रगतिशील समाज या राष्ट्र के लिए नियम और कानून का होना अनिवार्य है। यदि संविधान का पालन न हो, तो समाज में अराजकता फैल सकती है। महाना ने कहा कि संविधान मानवता, सत्य और समानता की भावना का प्रतीक है। यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे, तो संविधान की मूल मंशा को चरितार्थ कर सकेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने संविधान को एक प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि यह न केवल सरकार चलाने वालों के लिए है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह इसे समझे और इसका पालन करे। उन्होंने विधायिका की सकारात्मक भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र की ताकत विधायिका में है। उन्होंने आगाह किया कि किसी एक व्यक्ति की गलती से पूरी संस्था पर सवाल उठाना लोकतंत्र को कमजोर करता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए महाना ने कहा कि उन्होंने समाज की पीड़ा को समझते हुए संविधान में ऐसे प्रावधान किए।

समर्थ की बाधा से दो सप्ताह देरी से जारी हुए परीक्षा फॉर्म

लविवि : सात दिसंबर तक भरे जाएंगे, अधिसूचना जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। समर्थ पोर्टल पर शत-प्रतिशत विद्यार्थियों का पंजीकरण न होने के चलते इस माध्यम से परीक्षा कराने का आदेश स्थगित करना पड़ा था। पुरानी व्यवस्था से परीक्षा कराने की सहूलियत मिलने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने दो सप्ताह देरी से विषम सेमेस्टर के लिए परीक्षा फॉर्म जारी कर दिए। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि सात दिसंबर तय की गई है।

लविवि विवि में गत वर्ष आठ नवंबर से परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी, जो 25 नवंबर तक चली थी। वहीं 12 दिसंबर से विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी शुरू हो गई थी। वर्तमान सत्र में शासन स्तर पर प्रवेश से लेकर परीक्षा तक सभी कार्य समर्थ पोर्टल के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन लविवि व्यावहारिक समस्याओं के चलते इन दोनों कार्यों को समर्थ पोर्टल पर संपन्न करने में असमर्थ रहा।

लविवि और महाविद्यालयों में नवंबर के दूसरे सप्ताह तक 75 हजार से अधिक

विद्यार्थियों का पंजीकरण नहीं हो सका। इसमें पहले सेमेस्टर के विद्यार्थी शामिल नहीं थे। इसके बाद परीक्षा व्यवस्था को बेपटरी होता देख राज्यपाल सचिवालय ने समर्थ पोर्टल से परीक्षा कराए जाने के आदेश को वर्तमान सत्र के लिए स्थगित कर दिया था।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि विद्यार्थी, लखनऊ विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर एलयूआरएन पंजीकरण के माध्यम से परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। इसके साथ ही विवि और सहयुक्त महाविद्यालयों के किसी भी परीक्षार्थी को अलग से कोई शुल्क नहीं जमा करना होगा। किसी तरह की समस्या आने पर परीक्षा विभाग और महाविद्यालय के प्राचार्य से संपर्क कर सकते हैं।

तकनीक दोधारी तलवार, समझ से करें इस्तेमाल: डॉ. नवजोत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में साइबर सुरक्षा में वर्तमान चुनौतियों और उपायों पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के फोरेंसिक विभाग मे एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नवजोत कौर कहल ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों एवं उनसे बचाव के विषय में विस्तार से बताया।

डॉ. नवजोत ने कहा कि वर्तमान तकनीक दोधारी तलवार की तरह है। जिस प्रवृत्ति के व्यक्ति के हाथ लगेगी, वैसा ही व्यवहार करेगी। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने हमारा प्रवेश डिजिटल दुनिया में करवा दिया है। जरूरी है कि हमें हर चीज पर आंख बंद कर यकीन नहीं करना है, उसे कई बार परीक्षण करके ही निर्णय लेना है। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. रूपेश कुमार, डॉ. रमेश त्रिपाठी, डॉ शिखा सिंह, डॉ संध्या यादव, डॉ रजनीश, डॉ ओमेंद्र, डॉ रणविजय, डॉ वीरेंद्र त्यागी सहित 50 विद्यार्थी मौजूद रहे। (संवाद)

आत्मरक्षा के कौशल का किया प्रदर्शन

स्रोत: स्वयं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति के पांचवे चरण में आत्म रक्षा के कौशलों को प्रदर्शन किया गया। इसमें शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न कौशलों का प्रर्दशन किया एवं उत्तर प्रदेश की कलारीपट्टू की टीम ने भी अपना हुनर दिखाया। इससे छात्र-छात्राओं ने आत्मरक्षा के विशिष्ट कौशलों की जानकारी हासिल की। कार्यक्रम में कलारीपट्टू के ज्वाइंट सेक्रेटरी वैभव कुमार, मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. मानिनी श्रीवास्तव, मो. तारिक, डॉ. वीर प्रताप व विद्यार्थी मौजूद रहे। (संवाद)

लवि कुलपति प्रो. आलोक राय सदस्य नामित

जासं • लखनऊ : लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को संस्कृति मंत्रालय की ओर से गठित एक प्रतिष्ठित समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। समिति की अध्यक्षता गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे।

यह उच्च-स्तरीय समिति डा. हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में गठित की गई है। डा. हरेकृष्ण महताब भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तित्व व ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे हैं। समिति की जिम्मेदारियों में इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए कार्यक्रमों की योजना बनाना, उनकी निगरानी करना और उनके सफल क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शन व निरीक्षण प्रदान करना शामिल है। प्रो. राय को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की महासभा के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया है।

JAGRAN CITY PAGE I

'तेजी से बदल रहा है राजनीति का चेहरा'

जासं • लखनऊ : विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने वर्तमान विधायकों के रूप में पीएचडी, डाक्टर और प्रबंधन डिग्री धारकों जैसे पेशेवरों की संख्या के आंकड़ों को रेखांकित कर कहा कि राजनीति का चेहरा तेजी से बदल रहा है। अधिक से अधिक सुशिक्षित व्यक्ति इस क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। मतदाता भी समझदार हो रहे हैं। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस पर मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने डा. अंबेडकर की प्रतिमा एवं संविधान स्थल पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने संविधान के महत्व और संविधान निर्माताओं के महान योगदान के बारे में बताया। राज्य के चौथे स्तंभ मीडिया को एक मजबूत संदेश देते हुए उन्हें राजनीतिक व्यवस्था और उसके पदाधिकारियों के प्रति अधिक सकारात्मक व आशावादी रवैया अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि मीडिया द्वारा नकारात्मक और अनुचित रिपोर्टिंग किसी भी चीज से अधिक नुकसान पहुंचाती है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों को बताया। विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, डीएसडब्ल्यू प्रो. वीके शर्मा, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, विभिन्न विभागों के डीन व विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए संविधान का सम्मान जरूरी: विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने संविधान को मानव जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि यह हमारे जीवन को नियमबद्ध बनाने के साथ प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त करता है। संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह समाज को समरसता, समानता और विकास की ओर ले जाने वाला पवित्र ग्रंथ है।

संविधान दिवस के अवसर पर संविधान के प्रति शपथ दिलाते विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना व अन्य • लवि

लविवि कुलपति संस्कृति मंत्रालय की समिति में सदस्य नामित

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा गठित एक प्रतिष्ठित समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है, जिसकी अध्यक्षता अमित शाह (गृह एवं सहकारिता मंत्री) करेंगे। यह उच्च-स्तरीय समिति डॉ. हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में गठित की गई है। बता दें कि डॉ. हरेकृष्ण महताब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तित्व, और ओडिशा के मुख्यमंत्री (1946 से 1950 और 1956 से 1961 तक) रहे हैं। उन्हें उत्कल केसरी के नाम से लोकप्रिय रूप से जाना जाता है।

कोई भी तकनीक इतनी सक्षम नहीं कि बिना आपकी सहमति से रुपए निकाल सकेः डॉ. नवजोत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग मे मंगलवार को साइबर सुरक्षा में वर्तमान चुनौतियों और जवाबी उपायों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के फोरेंसिक विभाग मे एसोसिएट प्रोफेसर डॉ नवजोत कौर कहल ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के बारे में बताते हुए साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों एवं उनसे बचाव के विषय में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में साइबर अपराधों की भयावहता को रेखांकित करते हुए डॉ नवजोत ने कहा कि वर्तमान तकनीक दोधारी तलवार की तरह है। जिस प्रवृत्ति के व्यक्ति के हाथ लगेगी, वैसा ही व्यवहार करेगी। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने हमारा प्रवेश डिजिटल दुनिया में करवा दिया है। आज यह हर व्यक्ति की जरूरत बन चुका है लेकिन यहां हर कदम पर साइबर ठगों का जाल फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि कोई भी तकनीक इतनी सक्षम नहीं है कि बिना आपकी सहमति से मोबाइल फोन या कंप्यूटर में प्रवेश कर रुपये निकाल सके। लोभ, लालच, डर और धमकी साइबर अपराधियों का प्रमुख हथियार है। जबकि इनसे लड़ने के लिए आपके पास जागरुकता का कवच है। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ठग आप तक पहुंचते हैं। वे आपको या तो निवेश या अच्छी नौकरी का लोभ देंगे, या फिर फर्जी अपराधों में फंसे होने को लेकर धमकाते हैं। लालच से आपको खुद बचना है और याद रखें कि यदि आपकी गलती नहीं है तो डरना नहीं है। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने व्याख्यान सत्र मे सभी का स्वागत करते हुए इस सत्र के आयोजन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

HINDUSTAN TIMES PAGE 2

In a first, LU opens its doors for industry experts as profs

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: In a first-of-its-kind initiative, Lucknow university (LU) has invited applicants for the post of 'professor of practice' across various departments.

Industry professionals will soon be a part of the teaching staff at the university and help in curriculum development, teaching, mentorship, internship programmes, consultancy and other academic responsibilities as part of the National Education Policy-2020. The last date for the online submission of application forms is December 9.

"The position has been divided into three categories – industry funded, university funded and honorary positions.

The Lucknow University campus in Lucknow HT FILES

Professionals currently working or retired with expertise in their respective fields can apply for the positions. This will help students receive practical insights from the industry," said university spokesperson Durgesh Srivastava.

These will be fixed-term appointments ensuring that the regular teaching staff is not affected, shared Srivastava.

"The move is aimed at providing practical approach to the students along with theoretical ones," he added.

THE PIONEER PAGE 2

Dual honour for LU VC

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University announced on Tuesday that its Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai has been nominated to a prestigious committee formed by the Ministry of Culture. The committee, chaired by Home Minister Amit Shah, has been constituted to commemorate the 125th birth anniversary of Dr Harekrushna Mahatab.

A prominent leader in the Indian National Congress and a key figure in the independence movement, Dr Mahatab served as the chief minister of Odisha and was known as 'Utkal Keshari'. The committee's role is to plan and oversee events marking this significant occasion and to provide guidance on their successful execution.

In another notable achievement, Prof Rai has also been appointed to the General Assembly of the National Council of Educational Research and Training (NCERT) for a three-year term, beginning November 5, 2024. This nomination comes from the Union minister of education, in accordance with the NCERT regulations.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लोकतंत्र की मजबूती के लिए संविधान का सम्मान आवश्यक : महाना

यह समाज को समरसता, समानता और विकास की ओर ले जाने वाला पवित्र ग्रंथ है

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने संविधान को मानव जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि यह हमारे जीवन को नियमबद्ध बनाता है और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह समाज को समरसता, समानता और विकास की ओर ले जाने वाला पवित्र ग्रंथ है।

महाना लखनऊ विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रगतिशील समाज या राष्ट्र के लिए नियम और कानून का होना अनिवार्य है। यदि संविधान का पालन न हो, तो समाज में अराजकता फैल सकती है। महाना ने कहा, कि संविधान मानवता, सत्य और समानता की भावना का प्रतीक है। यदि हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे, तो संविधान की मूल मंशा को चरितार्थ कर सकेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष ने संविधान कोएक प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि

यह न केवल सरकार चलाने वालों के लिए है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह इसे समझे और इसका पालन करे। उन्होंने विधायिका की सकारात्मक भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र की ताकत विधायिका में है। उन्होंने आगाह किया कि किसी एक व्यक्ति की गलती से पूरी संस्था पर सवाल उठाना लोकतंत्र को कमजोर करता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए महाना ने कहा कि उन्होंने समाज की पीड़ा को समझते हुए संविधान में ऐसे प्रावधान किए, जिससे सभी को समान अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि अच्छे लोगों को राजनीति में आकर लोकतंत्र को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने समाज में प्रतिस्पर्धा को एक-दूसरे को पीछे छोड़ने के बजाय साथ लेकर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा, कि हर व्यक्ति को अपने कर्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन करते हुए देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करना चाहिए। प्रतिस्पर्धा इस बात की होनी चाहिए कि सबको साथ लेकर कैसे आगे बढ़ें। महाना ने देश के स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य था कि भारत का संविधान लागू हो और देश अपनी कानून व्यवस्था के अनुसार संचालित हो। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने सभी नागरिकों से संविधान पढ़ने और इसके महत्व को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य जनता को इसके महत्व से अवगत कराना है। इससे पूर्व, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रगान का पाठ किया और संविधान के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

जीवन को नियमबद्ध बनाता है संविधान : सतीश महाना

लखनऊ (एसएनबी)। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने संविधान को मानव जीवन का मूल आधार वताते हुए कहा कि यह हमारे जीवन को नियमवद्ध वनाता है और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। कहा, संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, वल्कि यह समाज को समरसता, समानता और विकास की ओर ले जाने वाला पवित्र ग्रंथ है। श्री महाना संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वोल रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रगतिशील समाज या राष्ट्र के लिए नियम और कानून का होना अनिवार्य है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत किया।

{ 75TH CONSTITUTION DAY }

Varsities and colleges hold rallies, events; read out Preamble

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Students of several universities and colleges in the state capital took out marches and hosted programmes to mark the Constitution Day on Tuesday.

At University of Lucknow (LU), students associated with National Student Union of India (NSUI), Bhim Army Student Federation (BASF) and All India Student Association (AISA) raised slogans and held discussions regarding the Constitution and the recent violence in Sambhal near the Ambedkar statue on the campus.

They read out the preamble on the occasion. Slogans such as 'Constitution Zindabad' and 'Bhartiya Loktantra Zindabad' were raised.

At an event organised by the department of political science of LU, Vidhan Sabha speaker Satish Mahana spoke about the significance of the Constitution. Competitions were held at the Institute of Pharmaceutical Sciences, Legal Aid Centre and the department of chemistry. The PHYSOC Society of the Department of Physics (LU), organized an educational tour for postgraduate students to the Ambedkar Memorial Park.

A 'Samta March' was taken out by Birsa Ambedkar Phule Student Association (BAPSA) of Dr. Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU). As part of the march, students and professors walked from gate number 3 – gate number 1 of the university hailing 'Birsa, Phule and Ambedkar'.

A 'padyatra' was taken out by National Service Scheme (NSS) Unit-1 of Institute of Engineering and Technology (IET). It was flagged off by director Prof. Vineet Kansal.

A lecture series was organised among the students and teachers of Shri Jai Narayan Mishra. Rakesh Kumar Mishra, an LU professor, spoke about the process of making the Constitution and its present context.

The preamble was read collectively by students and teachers at Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Khwaja Moinuddin Chisti Language University and Bhatkhande Sanskriti Vishwavidyalaya and State Lalit Kala Akademi.

A discussion underway at LU on the importance of Constitution. HT

{ ODD SEMESTER EXAMS }

LU announces online exam form submission

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The examination form for odd semester examinations at Lucknow University can be filled out online through the official website.

These applies to regular, back paper and exempted odd semester examination of undergraduate and postgraduate courses, with an exception of regular students in first semester of BSc, BCom, BA and BEd, stated a notice issued by the controller of examination on Monday.

The form for the students admitted in the session 2024-25 will be filled online through the Lucknow University Registration Number (LURN).

The examination form must be filled out online. Regular students enrolled in the university must submit a hard copy of the form along with the semester fee receipt to the Head of Department.

Meanwhile, the regular students enrolled in affiliated colleges must submit the examination fee along with the form to the respective college, as stated in the notice.

Students who are to appear for back paper, improvement, or exempted examinations must fill out the form, pay the examination fee online, and submit it to the relevant department.

LU spokesperson Durgesh Srivastava said that the last date to fill in the examination form is December 7.

"The tentative date for the examinations is scheduled for the second weekend of December," said Srivastava.

LOKSATYA PAGE 2

संस्कृति मंत्रालय के सदस्य बने प्रो. आलोक

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय से गठित एक प्रतिष्ठित समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है। जिसकी अध्यक्षता गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। यह उच्च-स्तरीय समिति डॉ. हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में गठित की गई है। डॉ. हरेकृष्ण महताब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तित्व, और ओडिशा के मुख्यमंत्री (1946 से 1950 और 1956 से 1961 तक) रहे हैं। उन्हें ?उत्कल केसरी? के नाम से लोकप्रिय रूप से जाना जाता है। समिति की जिम्मेदारियों में इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए कार्यक्रमों की योजना बनाना, उनकी निगरानी करना, और उनके सफल क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शन व निरीक्षण प्रदान करना

शामिल है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ, प्रोफेसर आलोक कुमार राय को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की महासभा के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया है। यह कार्यकाल 5 नवंबर से शुरू होकर तीन वर्षों तक चलेगा। यह नामांकन भारत सरकार के शिक्षा मंत्री द्वारा संघ के नियम 3(iv) और 3(viii) के प्रावधानों के तहत किया गया है। प्रो आलोक कुमार राय के दूरदर्शी नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय श्रेणी में 97वां स्थान प्राप्त किया है।

यह उत्तर प्रदेश का पहला गैर-विशेषज्ञ (सामान्य) राज्य विश्वविद्यालय है जिसने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों की सूची में स्थान प्राप्त किया है। प्रोफेसर राय के नेतृत्व में, विश्वविद्यालय ने देश में पहली बार नई शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को सत्र 2020 से लागू किया है। इसमें चौथे वर्ष के यूजी बैच की शुरुआत, क्रेडिट ट्रांसफर प्रणाली, बहु-प्रवेश और निकास विकल्प, और एक वर्षीय पीजी कार्यक्रम का आरंभ शामिल है। इसके अतिरिक्त, लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है जिसने एनएएसी (NAAC) की ए++ मान्यता प्राप्त की है। साथ ही इसे श्रेणी 1 का दर्जा और एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष 100 स्थान बनाए रखने का गौरव प्राप्त हुआ है।

2K LU students get tabs under Digishakti plan

Times News Network

Lucknow: Lucknow University on Tuesday distributed around 2,100 tablets among students who completed their post-graduation in 2024 as part of the UP govt's Digishakti scheme.

The initiative aims to enhance digital access and learning for students, aligning with the state govt's vision of empowering youth through technology. The distribution of tablets will continue till Nov 30. Students from various departments received the devices.

The programme emphasized the importance of digital tools in advancing education and enabling students to stay competitive. "The tablet will help me access online resources and improve my academic performance. I am thankful to govt for this thoughtful initiative and also to the university," said MA sociology student Siddharth Srivastava.

TOI PAGE 3

Union culture ministry names LU VC for high-level committee

Times News Network

Lucknow: The Union ministry of culture has nominated Lucknow University vice-chancellor Alok Kumar Rai in a high-level committee led by Union home minister Amit Shah to commemorate the 125th birth anniversary of Harekrushna Mahatab, a freedom fighter and former chief minister of Odisha.

Additionally, the Union ministry of education has nominated Rai to the general assembly of NCERT for a three-year term. Under Rai's leadership, LU has implemented NEP 2020 and achieved NAAC A++ accreditation, Category-1 status, and a place in the top 100 NIRF rankings.

LU VC Alok Kumar Rai